

अनुसूचित जाति के चयनित परिवारों को मुफ्त बकरे/बकरियां, पशु आहार, खनिज मिश्रण, दवाईयां, टॉर्च एवं परातों का आवंटन भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, पालमपुर द्वारा अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत पंचायत मोलीचक तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा के चयनित परिवारों को 27 बकरे, 81 बकरियां, 54 क्विंटल पशु आहार, 540 कि.ग्रा. खनिज मिश्रण, पशुओं के लिए आवश्यक दवाईयां, 27 टॉर्च, 108 परातें मुफ्त आवंटित किये। कार्यक्रम में 160 से अधिक किसानों/पशुपालकों ने भाग लिया। कार्यक्रम में पशुपालकों को पशुपालन एवं देखरेख से सम्बन्धित प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।



डा. गोरख मल, प्रमुख क्षेत्रीय केन्द्र द्वारा संस्थान द्वारा चलाई जा रही अनुसूचित जाति उप-योजना की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस योजना का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति के अति निर्धन परिवारों की आर्थिकी को सुदृढ़ करना है। उन्होंने पशुधन स्वास्थ्य (टीके और नैदानिक विकास) और उत्पादकता (पशुओं की नई नस्लों का विकास) में भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान की भूमिका को समझाया। डॉ. बीरबल सिंह, प्रधान वैज्ञानिक एवं परियोजना प्रभारी द्वारा अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत लाभान्वित किसानों एवं पशुपालकों से आग्रह किया गया कि वे इन पशुओं की उचित देखभाल करें, ताकि यह उनके लिए स्थायी आजीविका का साधन बन सके और उनके जीवनस्तर में सुधार आए। डॉ. देवी गोपीनाथ, वैज्ञानिक द्वारा पशुपालकों को आवंटित दवाओं के सही उपयोग और स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में विस्तार से समझाया।



कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिकों डॉ. बीरबल सिंह, प्रधान वैज्ञानिक एवं उपयोग प्रभारी, डॉ. रिंकु शर्मा, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. यू.एस. पति, वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. सुमा एन., वरिष्ठ वैज्ञानिक, डॉ. देवी गोपीनाथ, वैज्ञानिक, डॉ. गौरी जैरथ, वैज्ञानिक एवं डॉ. अजेयता रियालच, वैज्ञानिक द्वारा पशुपालन सम्बन्धित समस्याओं का समाधान मौके पर किया गया। कार्यक्रम में डॉ. विनय कुमार, पशुचिकित्सक, श्री दीन सिंह, पंचायत सचिव, श्रीमती लक्ष्मी देवी, पूर्व पंचायत प्रधान, श्री लेख राज, पूर्व उपप्रधान, श्री बलविन्द्र सिंह राणा, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी एवं श्री आर. रणजीत सिंह, तकनीकी अधिकारी ने विशेष भूमिका निभाई।

